Title: Regarding increasing naxalite activities in Madhya Pradesh and Chattisgarh and need to crub these.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (बालाघाट) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक महत्वपूर्ण विाय की ओर सदन का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have already called Shri Prahlad Singh Patel.

...(*Interruptions*)

श्री ब्रह्मानन्द मंडल : बिहार में लगातार हत्याएं हो रही हैं।â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Mandal, please resume your seat. Do not shout like this. Everybody will get a chance.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल : मैंने अनेक बार पी.डब्ल्यू.जी, पी.जी.ए. और एम.सी.सी. के खिलाफ सदन में अपनी बात रखी है। पिछले सप्ताह जिसने भी अखबार पढ़ा है, अगर वह देखे तो पूरे सप्ताह चाहे आंध्र प्रदेश, झारखंड , छत्तीसगढ़ या मध्य प्रदेश हो, लगातार हत्याएं जारी हैं।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : शान्त रहिए, सबको चांस मिलेगा।

श्री प्रहलाद सिंह पटेल : लेकिन मैं जिस बात पर जोर देना चाहता हूं, यह सदन उस बात की तरफ ध्यान दे। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ऐसे राज्य हैं जहां संगठित अपराध कभी नहीं हुए। लेकिन नक्सलवादी घटनाओं ने जो स्थिति पैदा की है, उसमें सरगुजा में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों को यह चेतावनी दी गई है कि आप अपने पद छोड़ दें वर्ना आप मार दिए जाएंगे। उपाध्यक्ष जी, इस सदन में भी अनेक बार नक्सलवादी आन्दोलन के बारे में चर्चा आई होगी लेकिन राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के खिलाफ ऐसे फरमान कभी जारी नहीं हुए। मुझे यहां तक स्मरण है कि वारंगल में यह घटना पहली बार हुई है। मैं आपके माध्यम से सरकार और सदन से कहना चाहता हूं कि नक्सलवाद के खिलाफ कोई व्यक्ति अपनी आवाज इसलिए नहीं उठाता क्योंकि वह मार दिया जाएगा। कई राज्य सरकारों में दलीय भावनाओं के आधार पर उसमें विचार होता है। मैं सदन से आग्रह करना चाहता हूं कि जब हम लोकशाही को स्वीकार करते हैं तो नक्सलवाद के बढ़ते घटनाक्रम पर सदन में चर्चा होनी चाहिए और उस पर विचार भी होना चाहिए कि आखिर उसके निदान के रास्ते क्या होंगे। हम यह कह कर टाल दें कि यह राज्य सरकारों का काम है या यह कहें कि हम केन्द्र सरकार के भरोसे हैं, ऐसे काम नहीं चलेगा, दोनों को बैठ कर इस बारे में विचार करना होगा। झारखंड की घटना इस बात का प्रमाण है कि वहां सौ से ज्यादा पुलिसकर्मी मारे गए। कल, परसों फिर से बिहार में हत्याएं हुई हैं। मैं आपसे प्र ाार्थना करता हूं और कहना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की स्थिति अलग है। जहां संगठित अपराध नहीं थे, वहां लोग सामूहिक रूप से खड़े होकर विरोध करने में कतराते हैं।

आज भी जनप्रतिनिधि वहां पर उनके खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं करते, क्योंकि उन्हें मालूम है कि उसके बाद मैं मार दिया जाऊँगा। मैं आपसे प्रार्थना करता हूं, मैंने भी अभी दस दिन की उस इलाके की यात्रा की थी, उस जोन में, जहां पर उनके कैम्प थे। मेरे साथ आई.जी. थे, एस.पी. थे। नक्सलवादियों ने चेतावनी दी तो एक भी जनप्रतिनिधि वहां हमारे साथ शामिल नहीं हुआ। मैं दुर्भाग्य के साथ दुखद रूप से कहना चाहता हूं कि जिस आई.जी. और एस.पी. ने मेरे साथ यात्रा की थी, मैंने उनके साथ यात्रा की थी, उन्होंने मेरे साथ यात्रा नहीं की थी, उनका ट्रांसफर कर दिया गया। इससे नक्सलवादियों का मनोबल बढ़ेगा और निश्चित रूप से नक्सलवादियों को आप रोक नहीं सकेंगे। हमें इस पर विचार करना पड़ेगा कि जो भी लोकशाही को स्वीकार करते हैं, जो लोग लोकतंत्र पर आस्था रखते हैं, उनके दलीय मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उसके खिलाफ उनकी बढ़ती गतिविधियां जिस प्रकार से पूरे देश में शिकंजा कस रही हैं, हमें एकजुट होकर उस पर विचार करना होगा, यह मैं प्रार्थना करना चाहता हूं। â€¦ (व्यवधान)

श्री कीर्ति झा आज़ाद : हमने भी बिहार के बारे में नोटिस दिया है।

उपाध्यक्ष महोदय : आपका भी नम्बर आयेगा। सब के साथ न्याय होगा। आपको भी बुलाएंगे।